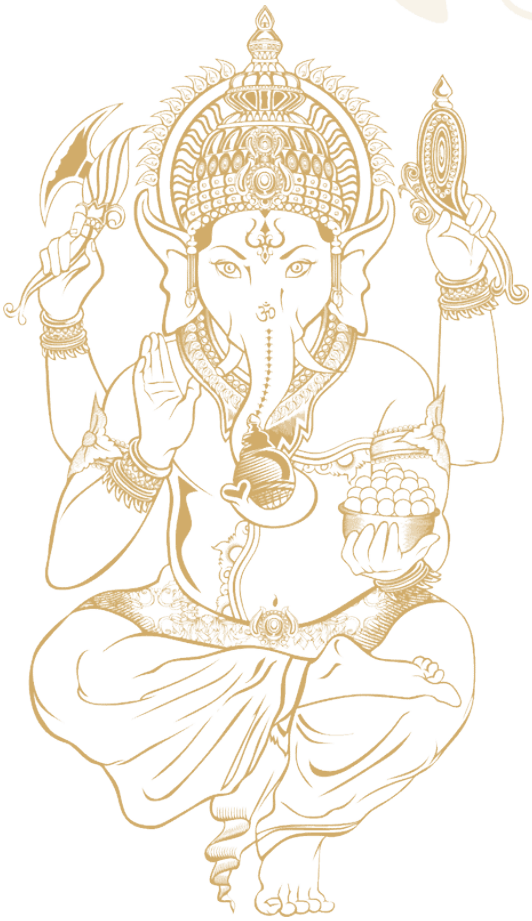

Mr. Pratik Mittal

Ms.Saloni Agrawal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120543601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120543601 Date: 14/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/10/1994	जन्म तिथि	23/05/1996
मंगल-बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 05:45:00	जन्म समय	07:00:00 घंटे
घटी 58:34:10	जन्म समय(घटी)	03:13:22 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Motihari
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	26:40:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	84:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:19	सूर्योदय	04:59:42
18:10:25	सूर्यास्त	18:34:46
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:28
कन्या	लग्न	मिथुन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
हस्त	नक्षत्र	पुष्य
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
ऐन्द्र	योग	वृद्धि
नाग	करण	कौलव
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	मेष
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मेष

Melotone Computers Astrology Centre
31, Khatipura, Near Ram Mandir, Ranipura Chouraha, Indore 452007
Mob. No. 9630665533
atulgargmelotone@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 5वर्ष 9मा 9दि		09:00:11	कन्या	लग्न		मिथु	07:03:07	शनि 8वर्ष 6मा 22दि	
गुरु		17:44:59	कन्या	सूर्य		वृष	08:24:04	केतु	
15/07/2025		15:37:54	कन्या	चंद्र		कर्क	10:39:29	14/12/2021	
15/07/2041		06:24:42	कर्क	मंगल		मेष	21:17:22	14/12/2028	
गुरु	02/09/2027	11:41:46	तुला	बुध	व	मेष	26:38:34	केतु	13/05/2022
शनि	15/03/2030	22:04:29	तुला	गुरु	व	धनु	23:19:09	शुक्र	13/07/2023
बुध	20/06/2032	22:57:53	तुला	शुक्र	व	मिथु	04:20:01	सूर्य	18/11/2023
केतु	27/05/2033	12:55:21	कुंभ व	शनि		मीन	11:01:12	चन्द्र	18/06/2024
शुक्र	26/01/2036	21:20:08	तुला व	राहु	व	कन्या	22:11:42	मंगल	14/11/2024
सूर्य	13/11/2036	21:20:08	मेष व	केतु	व	मीन	22:11:42	राहु	02/12/2025
चन्द्र	15/03/2038	28:36:17	धनु	हर्ष	व	मक	10:41:35	गुरु	08/11/2026
मंगल	19/02/2039	26:47:17	धनु	नेप	व	मक	03:47:53	शनि	18/12/2027
राहु	15/07/2041	02:28:17	वृश्चि	प्लूटो	व	वृश्चि	07:55:13	बुध	14/12/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:14 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:28

लग्न-चलित

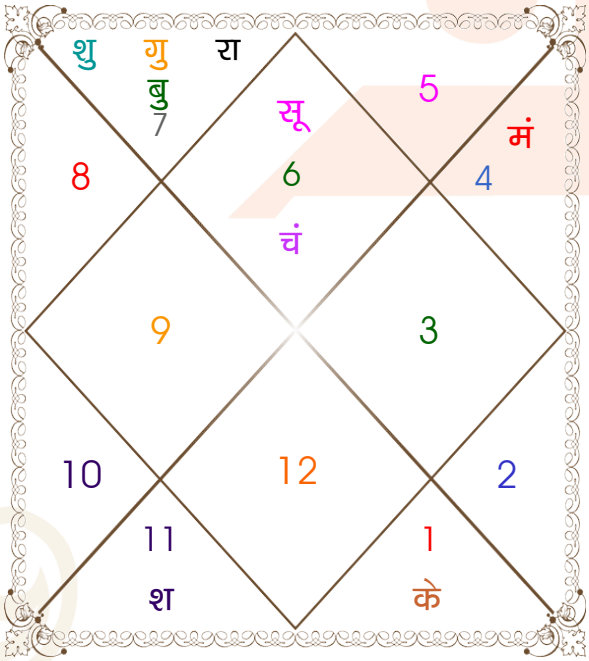

लग्न-चलित

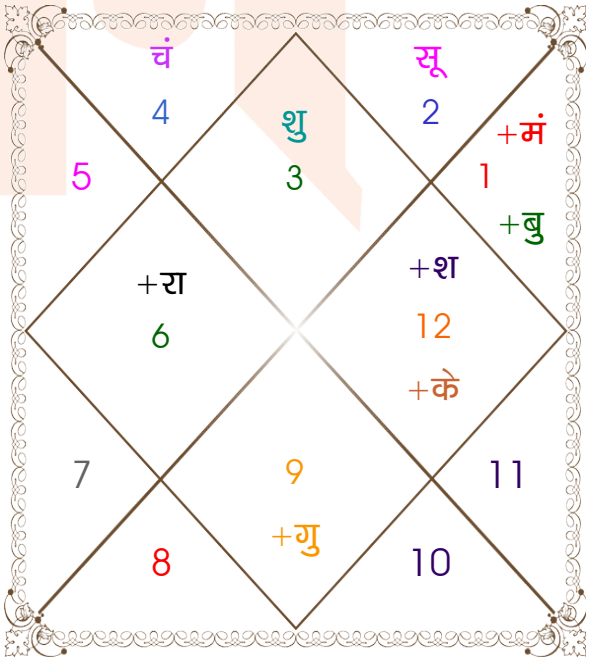

Melotone Computers Astrology Centre
31, Khatipura, Near Ram Mandir, Ranipura Chouraha, Indore 452007
Mob. No. 9630665533
atulgargmelotone@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

कुल : **27.5 / 36**

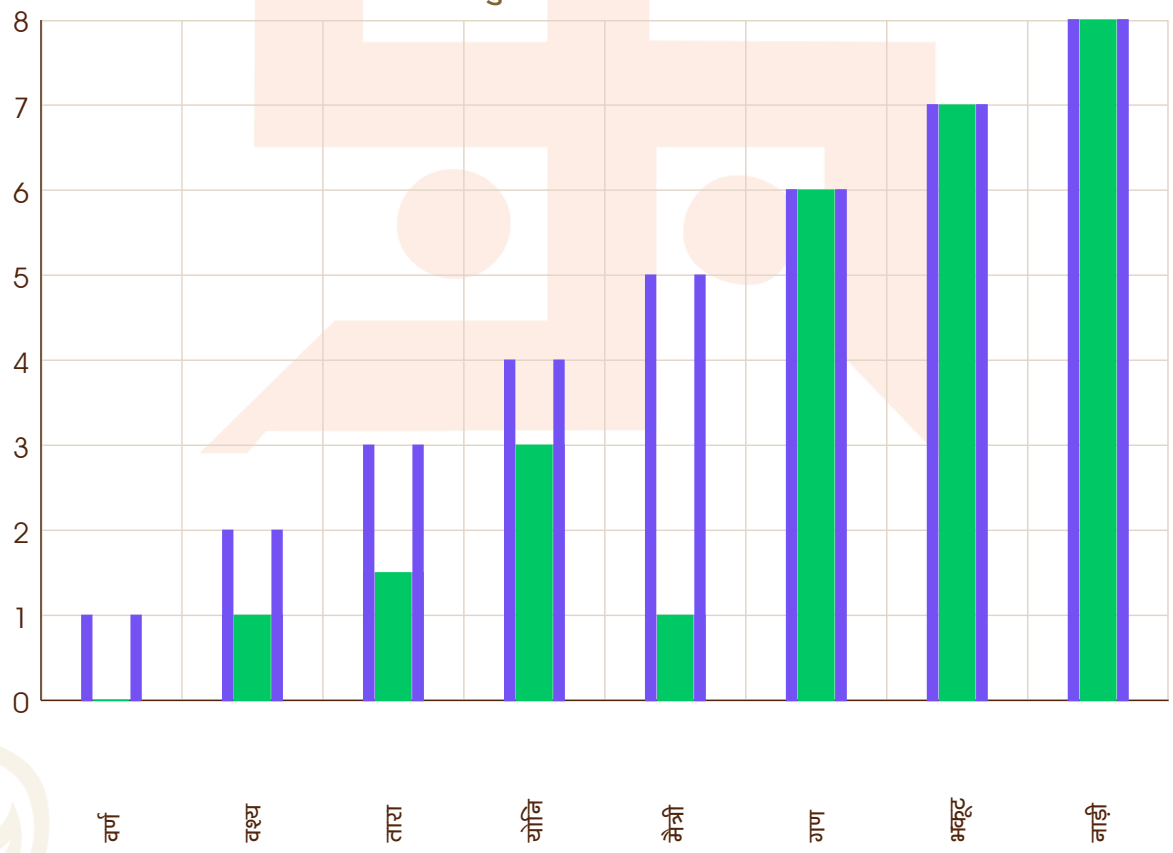

Melotone Computers Astrology Centre
31, Khatipura, Near Ram Mandir, Ranipura Chouraha, Indore 452007
Mob. No. 9630665533
atulgargmelotone@gmail.com

अष्टकूट मिलान

डतण् च्तंजपा डपजजंस का वर्ग मेष है तथा डेंण्ैसवदप ।हतूंस का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् च्तंजपा डपजजंस और डेंण्ैसवदप ।हतूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् च्तंजपा डपजजंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेंण्ैसवदप ।हतूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डतण् च्तंजपा डपजजंस तथा डेंण्ैसवदप ।हतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण च्तंजपा डपजजंस का वर्ण वैश्य है तथा डेंैंसवदप ।हतूंस का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि डेंैंसवदप ।हतूंस का वर्ण डतण च्तंजपा डपजजंस के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। डेंैंसवदप ।हतूंस अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। डेंैंसवदप ।हतूंस को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

डतण च्तंजपा डपजजंस का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेंैंसवदप ।हतूंस का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें डतण च्तंजपा डपजजंस एवं डेंैंसवदप ।हतूंस दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः डतण च्तंजपा डपजजंस डेंैंसवदप ।हतूंस पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि डतण च्तंजपा डपजजंस हमेश डेंैंसवदप ।हतूंस के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

डतण च्तंजपा डपजजंस की तारा साधक तथा डेंैंसवदप ।हतूंस की तारा प्रत्यरि है। डेंैंसवदप ।हतूंस की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह डतण च्तंजपा डपजजंस एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। डेंैंसवदप ।हतूंस का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही डेंैंसवदप ।हतूंस के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। डतण च्तंजपा डपजजंस अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

डतण च्तंजपा डपजजंस की योनि महिष है तथा डेंैंसवदप ।हतूंस की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में

अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण च्तंजपा डपजजंस से डेंपैंसवदप ।हतूंस का राशि स्वामी शत्रु है। परन्तु डेंपैंसवदप ।हतूंस से डतण च्तंजपा डपजजंस का राशि स्वामी मित्र है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में डतण च्तंजपा डपजजंस का राशि स्वामी डेंपैंसवदप ।हतूंस के राशि स्वामी को शत्रु समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में डतण च्तंजपा डपजजंस उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकता है जिसके कारण वह अपनी पत्नी से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगा तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी। जबकि इसके विपरीत कन्या, डतण च्तंजपा डपजजंस को खूब प्यार करने वाली तथा ख्याल रखने वाली होंगी।

गण

डतण च्तंजपा डपजजंस का गण देव तथा डेंपैंसवदप ।हतूंस का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

डतण च्तंजपा डपजजंस से डेंपैंसवदप ।हतूंस की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा डेंपैंसवदप ।हतूंस से डतण च्तंजपा डपजजंस की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण च्तंजपा डपजजंस परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर डेंपैंसवदप ।हतूंस हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण च्तंजपा डपजजंस की नाड़ी आद्य है तथा डेंपैंसवदप ।हतूंस की नाड़ी मध्य है।

अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण च्तंजपा डपजजंस की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा डेंपैंसवदप ।हतूंस की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जलतत्व में समानताएं होने के कारण डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंपैंसवदप ।हतूंस के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

डतण च्तंजपा डपजजंस की राशि का स्वामी बुध तथा डेंपैंसवदप ।हतूंस की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही डेंपैंसवदप ।हतूंस डतण च्तंजपा डपजजंस के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगी जिससे डतण च्तंजपा डपजजंस को डेंपैंसवदप ।हतूंस से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फलतः एक दूसरे के प्रति सहयोग मित्रता एवं सहयोग के भाव में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख मध्यम रहेगा।

डतण च्तंजपा डपजजंस एवं डेंपैंसवदप ।हतूंस की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी होगी तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही गुणों पर विशेष ध्यान देकर एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा मानसिक शांति भी बनी रहेगी।

डतण च्तंजपा डपजजंस का वश्य मानव तथा डेंपैंसवदप ।हतूंस का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं जलचर में असमानता का भाव रहता है। अतः डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंपैंसवदप ।हतूंस के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः धैर्य एवं सावधानी से ही शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

डतण च्तंजपा डपजजंस का वर्ण वैश्य एवं डेंपैंसवदप ।हतूंस का वर्ण ब्राह्मण है। अतः डतण च्तंजपा डपजजंस धनार्जन में प्रवृत होंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। लेकिन डेंपैंसवदप ।हतूंस शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंपैंसवदप ।हतूंस की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। डतण च्तंजपा डपजजंस एवं डेंपैंसवदप ।हतूंस की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण

च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

डतण च्तंजपा डपजजंस को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डतण च्तंजपा डपजजंस की नाड़ी आद्य तथा डेंैंसवदप ।हतूंस की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेंैंसवदप ।हतूंस के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेंैंसवदप ।हतूंस को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेंैंसवदप ।हतूंस को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण च्तंजपा डपजजंस और डेंैंसवदप ।हतूंस का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेंण्सवदप ।हतूंस के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही डेंण्सवदप ।हतूंस यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में डेंण्सवदप ।हतूंस को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार डेंण्सवदप ।हतूंस को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

डतण् च्तंजपा डपजजंस के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही डतण् च्तंजपा डपजजंस उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण डतण् च्तंजपा डपजजंस के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।